वित्तीय साक्षरता सप्ताह
04–08 जून, 2018

जोख़िम बनाम प्रतिफल (रिटर्न)

क्या आपको लगता है कि आप रातों–रात अमीर बन सकते हैं?

क्या आपको लगता है कि आप बहुत कम समय में बहुत अधिक प्रतिफल (रिटर्न) कमा सकते हैं?

ध्यान से सोचें क्योंकि उच्च प्रतिफल की उम्मीद उच्च जोखिम को बुलावा देना है।

मूल सिद्धांत

वित्तीय उत्पाद (Financial product) में निवेश या बचत करते समय यह मौलिक सिद्धांत ध्यान में रखा जाना चाहिए कि यह जोखिम और प्रतिफल (रिटर्न) के बीच एक सामंजस्य है। उच्च संभावना वाले प्रतिफल (रिटर्न) के साथ उच्च जोखिम और गंभीर नुकसान की संभावना होती है।

सम्यक उद्यम (Due Diligence)

कम समय में उच्च या गारंटीकृत प्रतिफल (रिटर्न) का वादा करने वाली विनियमित संस्थाओं की योजनाओं के प्रलोभन में आने से पहले सम्यक उद्यम (Due Diligence) कर लेना चाहिए। ऐसी योजनाएँ धोखाधड़ी हो सकती हैं और संस्था के संस्थापक आपकी मेहनत के पैसे इकट्ठा कर के गायब हो सकते हैं।

सचेत पोर्टल

www.sachet.rbi.org.in पर जाकर किसी भी संस्था जिसने किसी योजना के तहत एकत्रित की गई जमा राशि के पुनर्भुगतान में चूक कर दी है उसके विरुद्ध सूचना दी जा सकती है या शिकायत की जा सकती है।

बैंक जमा सुरक्षित है क्या?

बैंकों में जमा सुरक्षित हैं क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों का विनियमन तथा निगरानी की जाती है और बैंकिंग लोकपाल योजना (Banking Ombudsman Scheme) के माध्यम से शिकायत निवारण की एक प्रणाली विद्यमान है।

जमा–गारंटी

बैंकों में जमा राशि प्रति ग्राहक प्रति बैंक के हिसाब से जमा निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation) द्वारा 1 लाख रुपये तक प्रत्याभूत (Guaranteed) है।

Design: Anupam Sharma02/18

वित्तीय साक्षरता–समृद्धि का रास्ता

जोख़िम बनाम प्रतिफल

वित्तीय समावेशन एवं विकास विभाग
भारतीय रिज़र्व बैंक
www.rbi.org.in